total consumption of water in regard to domestic supply, and the *per capita* consumption kept in view by the Government of India?

Dr. D. S. Raju: About 30 gallons per head are being supplied now, and the estimated supply would be about 50 gallons per head, and that is what we hope to supply.

दिल्ली में अस्पताल

+

*३०२. **श्री म० ला० द्विवेदी :**
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री जगदेव सिंह सिद्धांती :

क्या स्वास्थ्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनसंख्या की वृद्धि के अनुपात में दिल्ली में अस्पतालों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई है ;

(ख) क्या वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये अस्पतालों की संख्या तथा उनमें पलंगों की संख्या पर्याप्त है ;

(ग) यदि नहीं, तो उनकी संख्या में वृद्धि करने की योजना की क्या रूपरेखा है ; और

(घ) दिल्ली के नागरिकों की अस्पतालों तथा उनमें पलंगों की संख्या सम्बन्धी कमी कब तक दूर हो जाने की आशा है ?

स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० दा० स० राजू): (क) से (घ). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

(क) दिल्ली में जनसंख्या में वृद्धि के अनुपात में अस्पतालों (सरकारी एवं गैर सरकारी दोनों) की संख्या में की गई वृद्धि इस प्रकार है :—

वर्ष	दिल्ली में अस्पतालों की संख्या तथा जन संख्या	
	अस्पतालों की संख्या	जन संख्या
१९५१ .	२१	लगभग १७.४४ लाख
१९६१ .	३१	लगभग २६.५८ लाख
१९६३ .	*३९	लगभग २६.५८ लाख

(* नमें रेलवे द्वारा अपने दिल्ली स्थित कर्मचारियों के लिए चलाये गये ३ अस्पताल भी सम्मिलित हैं)

(ख) जी नहीं । ये उपर्युक्त अस्पताल अभी पर्याप्त नहीं समझे जा रहे हैं ।

(ग) (१) तृतीय पंचवर्षीय योजना में दिल्ली में जिन नये अस्पतालों को खोलने के प्रस्ताव सम्मिलित किये गये हैं वे इस प्रकार हैं :—

सरकार द्वारा (१) इर्विन अस्पताल नई दिल्ली की प्रसीमा के अन्तर्गत ३५० शय्याओं का एक नया अस्पताल ।

(२) शाहदरा में मानसिक रोगियों केलिए १०० शय्याओं का एक अस्पताल ।

दिल्ली नगर निगम द्वारा (३) विभिन्न क्षेत्रों में कुल ४४५ शय्याओं के ८ अस्पताल ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा (४) ४०० शय्याओं का एक जनरल अस्पताल ।

(५) २०० शय्याओं का एक क्षय रोग अस्पताल ।

(२) तृतीय पंच वर्षीय योजना के अंतर्गत मौजूदा अस्पतालों में शय्याओं की प्रस्तावित वृद्धि ।

सरकारी अस्पताल (स्वास्थ्य मन्त्रालय तथा दिल्ली प्रशासन के अधीन	७५१
स्वास्थ्य मन्त्रालय के अधीन अर्द्ध सरकारी अस्पताल . .	५२६
दिल्ली नगर निगम के अधीन अस्पताल	५९५
योग .	१८७२

(घ) स्थिति की सतत समीक्षा की जा रही है तथा जनसंख्या में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप अस्पतालों, और शय्याओं की जो मांग बढ़ गई है उसकी पूर्ति के लिए सरकार, दिल्ली नगर निगम आदि हर प्रकार के प्रयास कर रहे हैं। यह स्पष्ट है कि इसके लिए समय की कोई सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

श्री म० ला० द्विवेदी : जो स्टेटमेंट सभा पटल पर रखा गया है, इसमें कहा गया है :—

"The above hospitals are still not considered adequate.".

मैं जानना चाहता हूं कि कौन से कारण हैं कि जिन की वजह से भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय अभी तक दिल्ली में बढ़ी हुई आबादी के लिए पूरे अस्पतालों की व्यवस्था नहीं कर सका है ? क्या वित्त मंत्रालय ने रुपया नहीं दिया है या योजना ही नहीं बनाई गई है ?

Dr. D. S. Raju: The total number of beds in Delhi is about six thousand.

श्री रामेश्वरानन्द : क्या दिल्ली की ही चिन्ता है, या देहातों की भी है ?

अध्यक्ष महोदय : ऐसे नहीं बोला जाता है ।

श्री रामेश्वरानन्द : आप से पूछ कर कह सकूंगा ।

अध्यक्ष महोदय : अपने आप पूछ भी लिया और अपने आप मंजूरी भी दे दी, सवाल भी कर लिया । अब आप बैठे रहें, जब पूछेंगे तब देखा जायेगा ।

Dr. D. S. Raju: It is true that there is some shortage of beds in Delhi when compared to international standards, but, actually speaking, there are about 6380 beds for a population of 26 lakhs. Probably it works out to 2.4 beds per one thousand population. It is not so bad as compared with that in other cities of India, but there is some shortage, and so many measures have been recommended for increasing the bed space.

श्री म० ला० द्विवेदी : स्टेटमेंट में कहा गया है कि कमी को दूर करने के लिए गवर्नमेंट आफ इंडिया ने एक फ़ेज्ड प्रोग्राम बनाया है । यदि कमी नहीं है तो इस फ़ेज्ड प्रोग्राम की क्या आवश्यकता है ? क्या यह सच है कि बेचारे रोगियों को अस्पतालों में जाने की सुविधा नहीं मिलती है, इन को भरती नहीं मिलती है ?

Dr. D. S. Raju: The statement gives all the particulars. There are some hospitals which are increasing their bed strength every year during the Third Plan period.

In the statement details have been given as to which particular hospital is putting up how many beds. During the next four or five years they hope to increase the bed strength to about 8000 beds. There are now about six thousand odd beds in Delhi in the Government hospitals, the semi-Government hospitals and the municipal corporation hospitals; they are increasing their bed strength.

Shrimati Savitri Nigam: Keeping in view the great pressure on the hospitals, may I know whether Government are thinking of providing mobile vans which can serve the people in their own localities?

Dr. D. S. Raju: The main question is related to in-door patients and hospital beds.

Mr. Speaker: Is there any proposal at the moment?

Dr. D. S. Raju: At the moment, there is none.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने एक प्रश्न का उत्तर देते हुए पीछे यह बताया था कि दिल्ली में रोगियों की जो संख्या है और डाक्टरों का जो अनुपात है बड़े अस्पतालों में, उसके अनुसार एक डाक्टर एक रोगी को देखने में दो मिनट से अधिक का समय नहीं दे पाता है। मैं जानना चाहता हूं कि अभी यही स्थिति है, या इस में कोई परिवर्तन हुआ है ?

Mr. Speaker: The hon. Member wants to know whether a doctor can only give two minutes to a patient now, and whether that situation has been eased or the same situation continues.

Dr. D. S. Raju: Those two minutes should be ample for examining a patient and giving the diagnosis.

श्री जगदेव सिंह सिद्धांती : क्या माननीय मंत्री जी को मालूम है कि दिल्ली राज्य की बात ही क्या, जो लोग देहातों से आते हैं, बड़ी विषम परिस्थिति में बीमार आते हैं, उनको दवाई का बहाना दे कर वापिस लौटा दिया जाता है, उनको दाखिल नहीं किया जाता है। क्या सरकार उनको दाखिल करने के लिए आदेश देगी ?

Mr. Speaker: That is a suggestion for action.

श्री रामेश्वरानन्द : दिल्ली की ही चिन्ता है या देहातों की भी आप को चिन्ता है ? मैं जानना चाहता हूं कि कितने कितने गांवों पर वहां एक औषधालय है और उनको दवाइयां मिलती भी हैं या नहीं मिलती हैं और अगर मिलती हैं तो बरस में कितने रुपये एक औषधालय पर खर्च होते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : यह बहुत लम्बा प्रश्न है ।

श्री रामेश्वरानन्द : अगर लम्बा है, तो जितने का वह उत्तर दे सकते हैं, दे दें ।

अध्यक्ष महोदय : जितना यह सवाल है, उससे बहुत बाहर आपका सवाल जाता है ।

श्री कछवाय : झुग्गी झौंपड़ियों में जो मजदूर परिवार रहते हैं, उन में से उनका इलाज न होने की वजह से साल भर में कितने लोग मरते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : जो सवाल है, उससे इसका कोई सम्बन्ध नहीं है ।

श्री रा० शि० पांडेय : आवश्यकताओं को देखते हुए क्या छोटे छोटे अस्पताल बनाने की भी कोई योजना है, २०-२५ बैड्ज के ?

Dr. D. S. Raju: The Municipal Corporation have got a plan to build a small hospital. They are already doing it.

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय, जब यहां हिन्दी में प्रश्न पूछे जाते है तो कम से कम मंत्रियों के लिये पाठशाला तो लगा दें हिन्दी सीखने के लिये ।

अध्यक्ष महोदय : यह पाठशाला लगाना मेरा काम नहीं है । स्वामी जी को चाहिये कि वे लगायें ।

श्रीमती चावदा : विलिंग्डन अस्पताल में जो आंखों का विभाग है वहां चपरासियों की बहुत कमी है और जो वहां का डार्क रूम है वह इतना गरम है कि मरीज वहां नहीं बैठ सकते हैं और उन की आंखों की जांच ठीक से नहीं की जा सकती। मैं जानना चाहती हूं कि क्या सरकार ने इस के लिये कुछ सोचा है ।

Mr. Speaker: It is going into too many details.